जिराफ की दुखद कहानी

अल्मा फ्लोर एडा, चित्र: डौग रॉय

जिराफ की दुखद कहानी

अल्मा फ्लोर एडा

चित्र: डौग रॉय

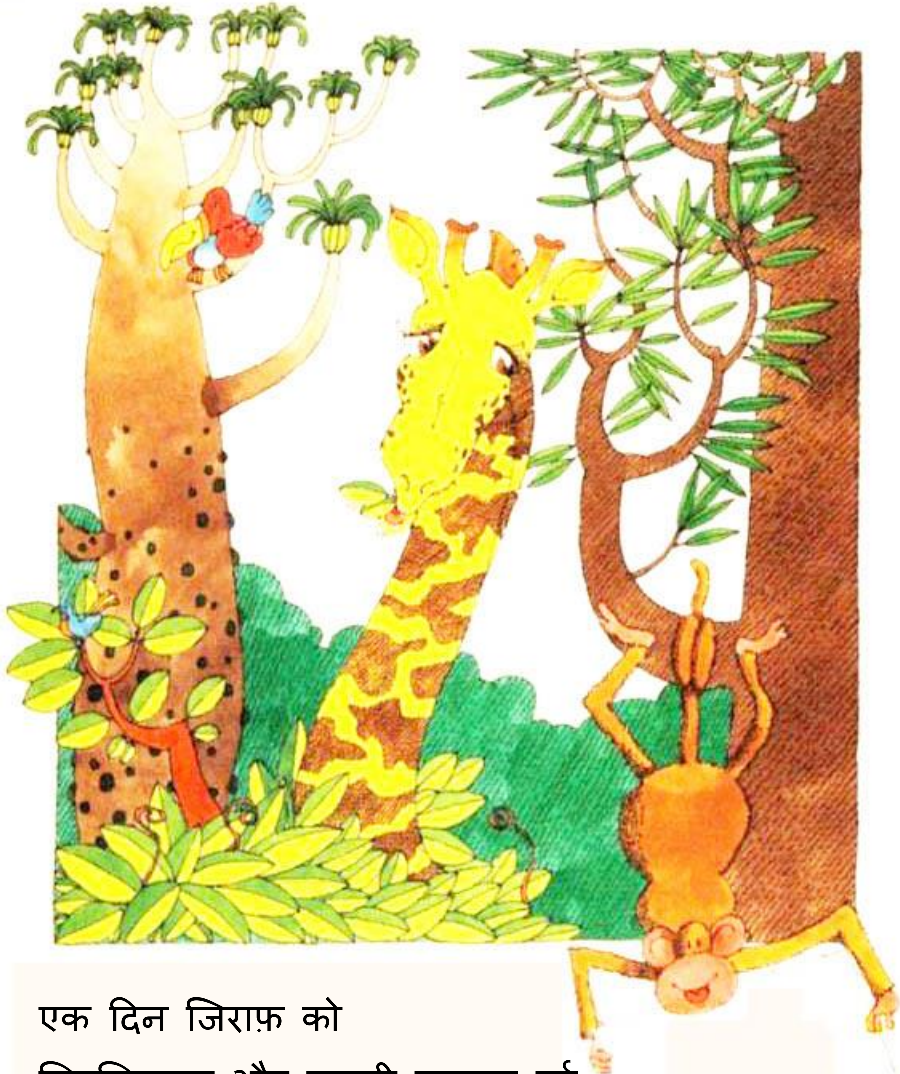

एक दिन जिराफ़ को
चिड़चिड़ापन और उदासी महसूस हुई.
"मुझे सबसे अलग होना है,
मुझे कुछ नया बनना है."

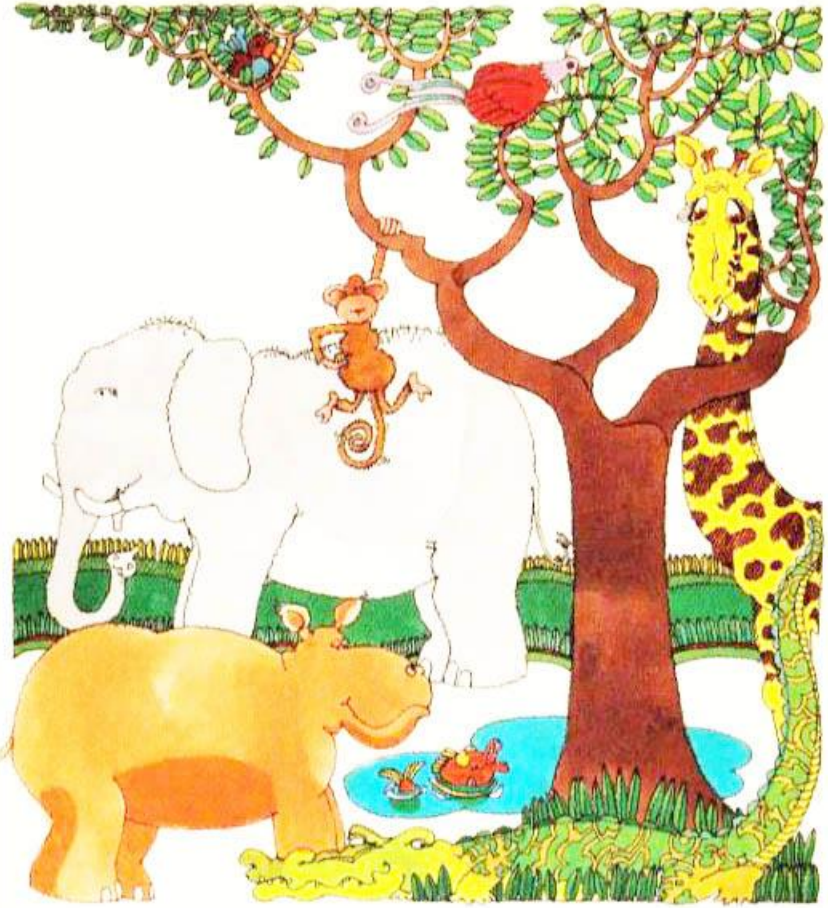

"अगर तुम बदलना चाहते हो?
तो मैं तुम्हें छह इच्छाएं प्रदान करूंगी,"
पीले पंखों वाली मछलियों की
जादुई रानी ने कहा.

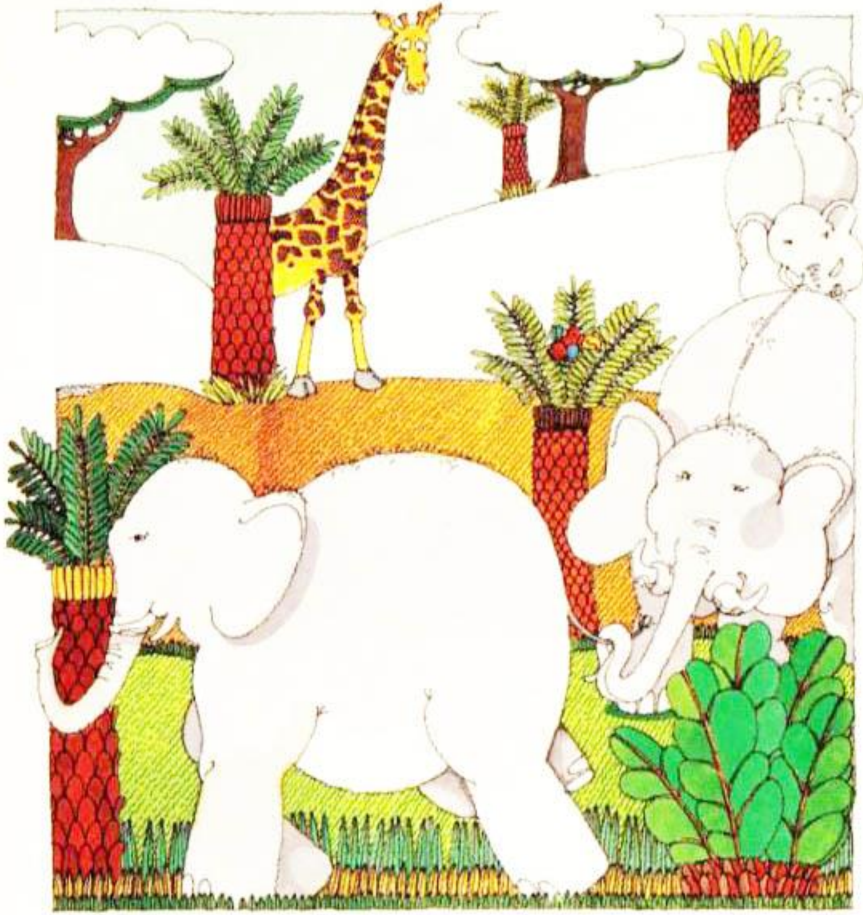

"हाथियों को देखो
वे बहुत मौज-मस्ती करते हैं.
मुझे एक हाथी की पूँछ दो
इच्छा नंबर एक के लिए!"

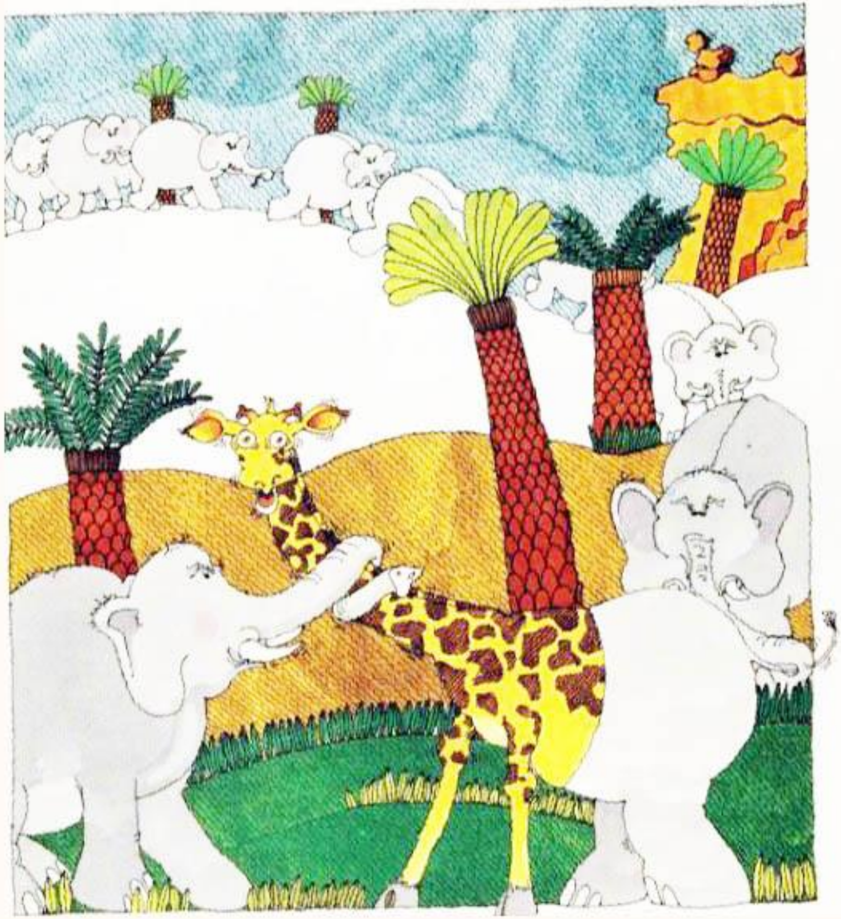

बेचारा जिराफ़!
उसकी नई पूँछ अच्छी है,
लेकिन उसे एक सूंड की जरूरत है
उसी लाइन में फिट होने के लिए!

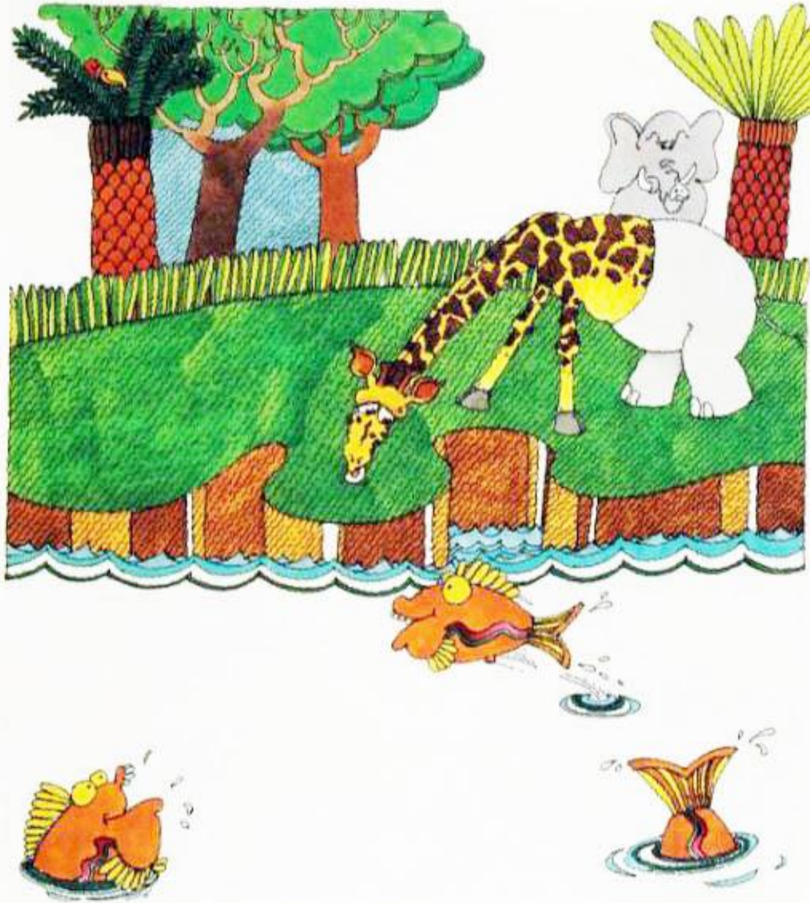

"मछलियों को देखो
वे ताल में खेलती हैं.
मुझे एक मछली की पूँछ दो
इच्छा नंबर दो के लिए."

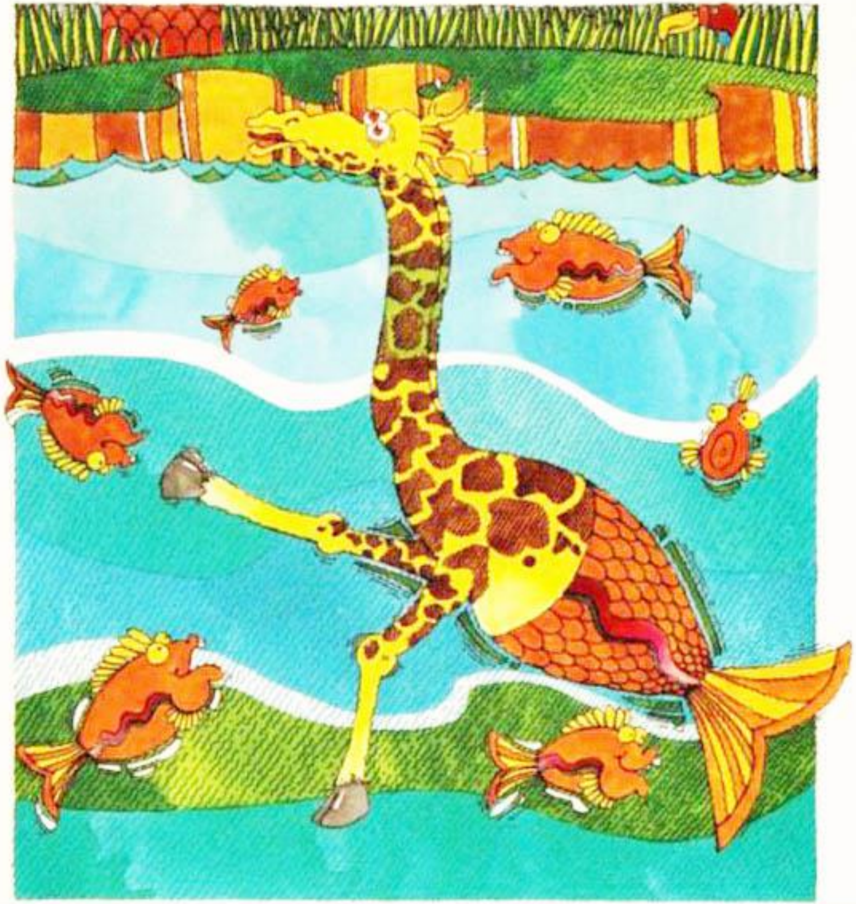

बेचारा जिराफ़!
उसकी पूँछ बिल्कुल ग़लत है!
वो निश्चित तौर पर डूब जाता
अगर उसकी गर्दन इतनी लंबी न होती.

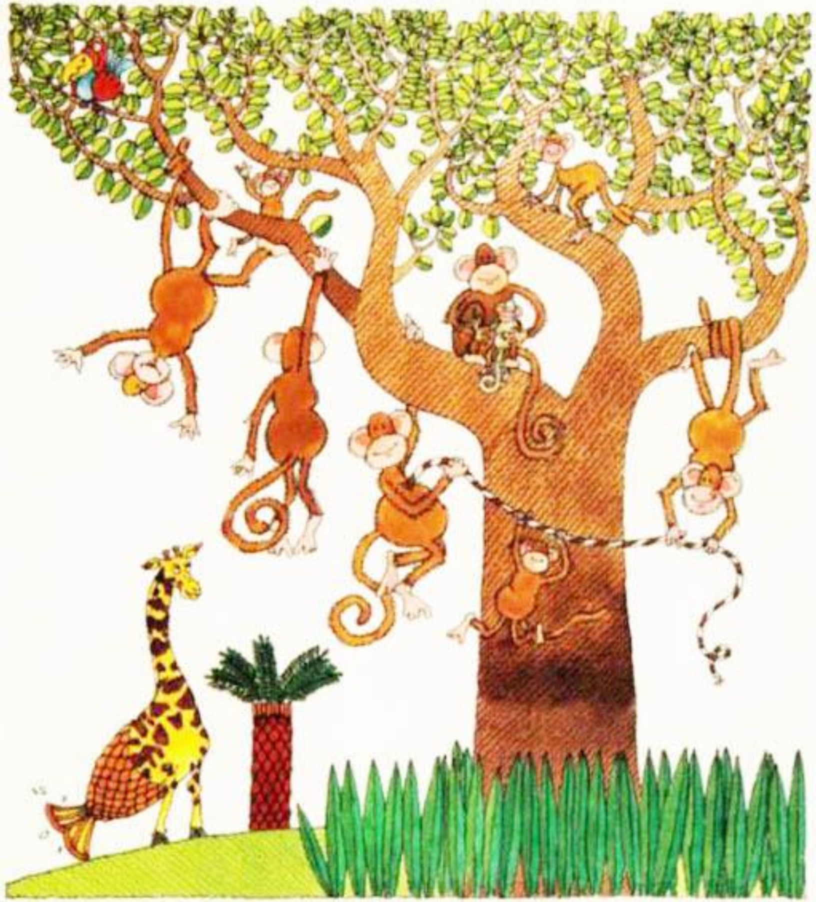

"बंदरों को देखो
कितने मुक्त होकर झूल रहे हैं.
मुझे एक बंदर की पूँछ दो
इच्छा नंबर तीन के लिए."

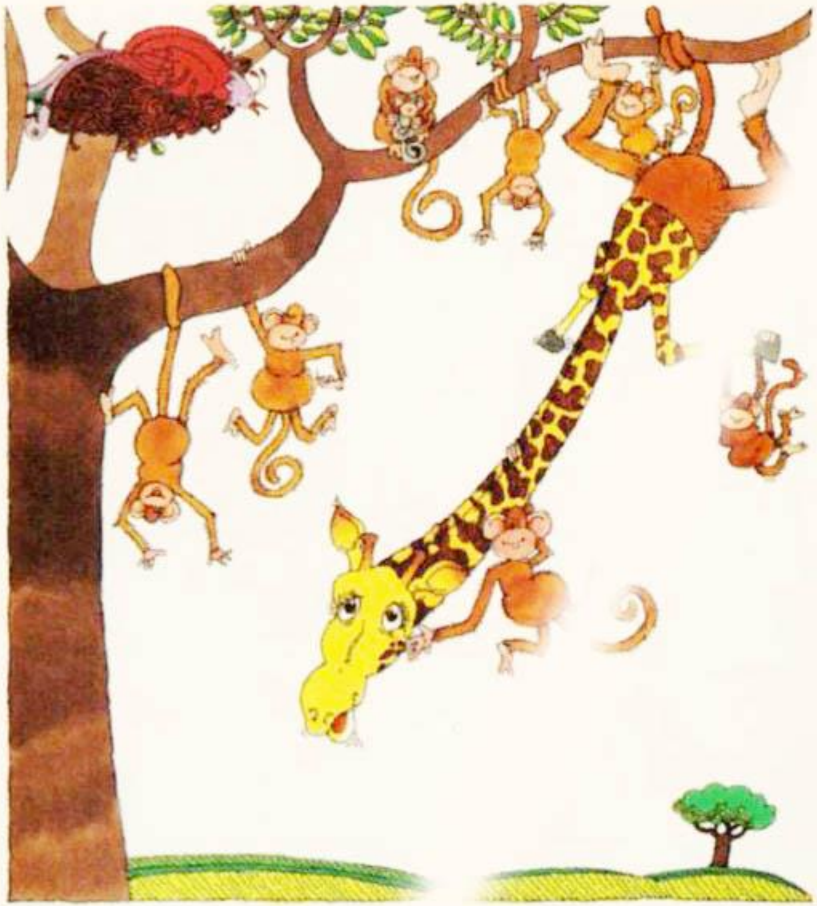

बेचारा जिराफ़!
वो उल्टा झूल सकता है,
लेकिन उसकी गर्दन बहुत लंबी है.
वो जमीन से रगड़ रही है!

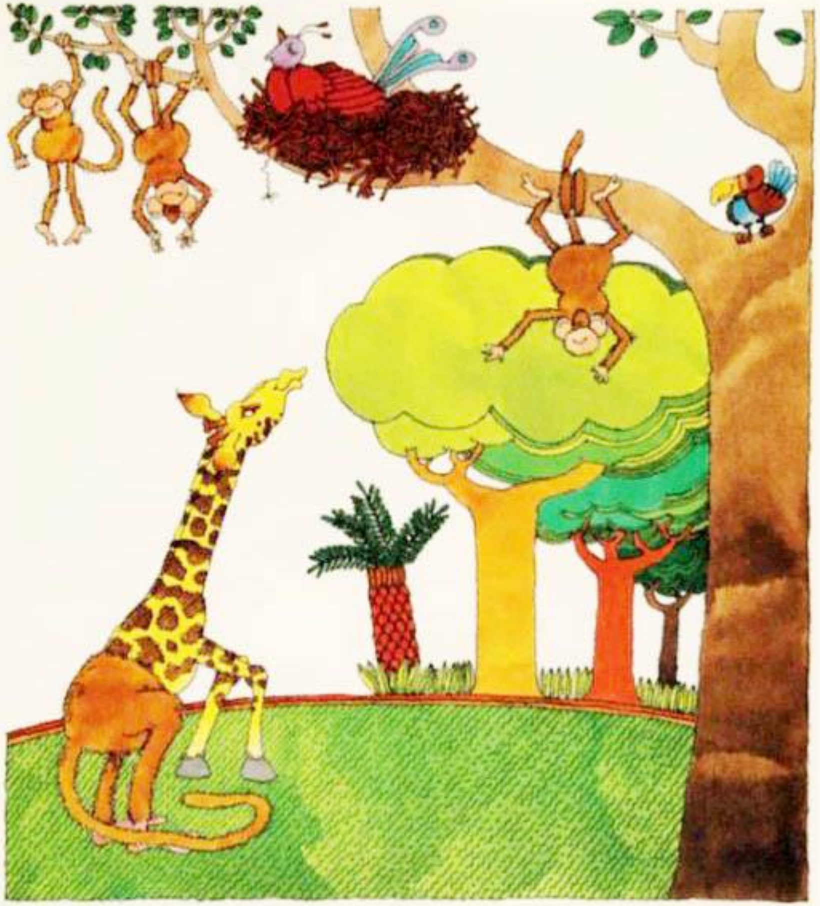

"पक्षियों को देखो
अपने रंग-बिरंगे पंखों के साथ.
मुझे एक पक्षी की पूँछ दो
इच्छा नंबर चार के लिए."

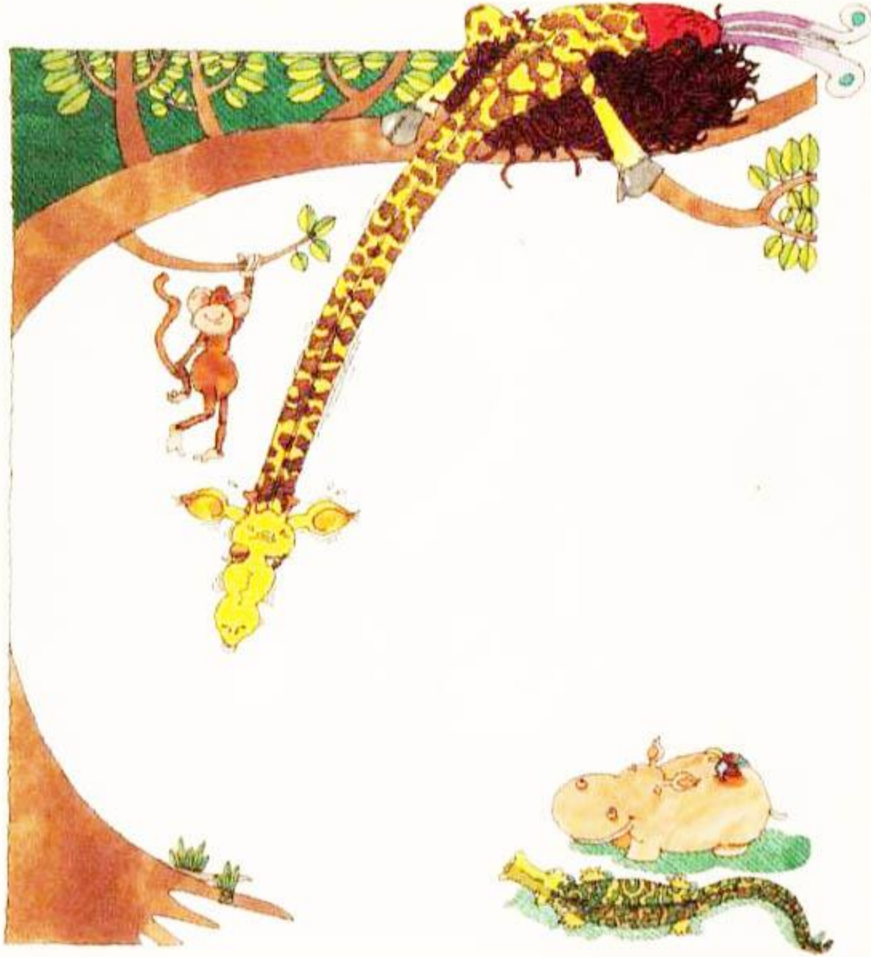

बेचारा जिराफ़,
इतने ऊँचे घोंसले में!
उसे पक्षी की पूँछ से कुछ अधिक चाहिए
उड़ पाने के लिए!

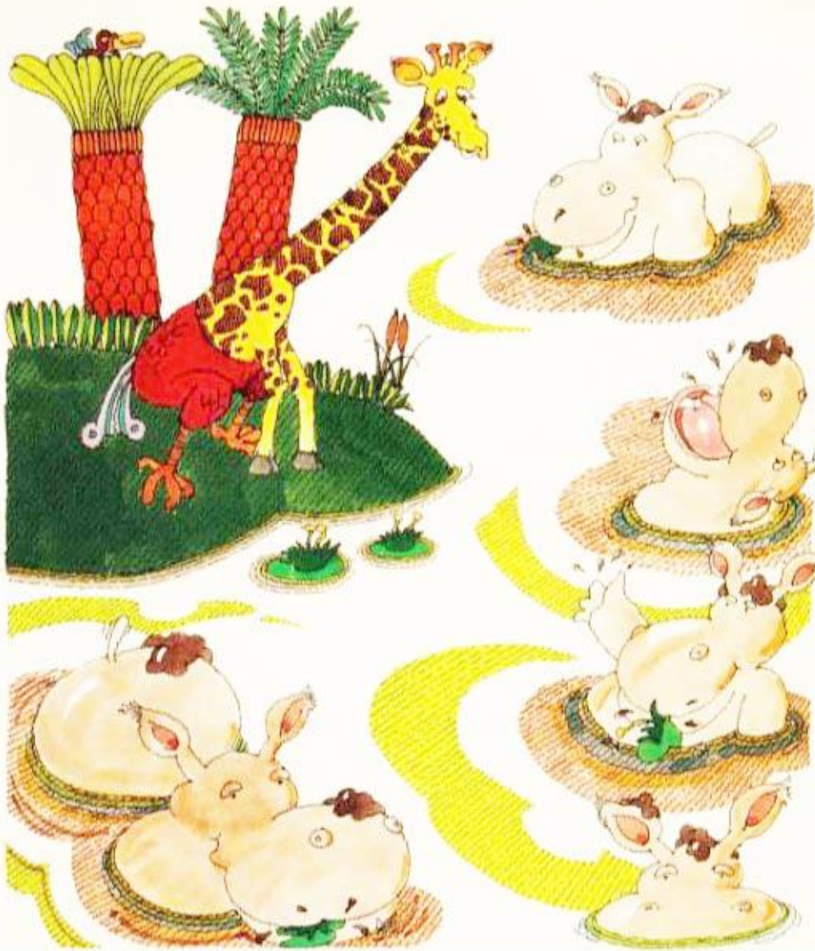

"दरियाई घोड़ों को देखो
वो कैसे मस्ती में खेल रहे हैं!
मुझे दरियाई घोड़े की पूँछ दो
इच्छा नंबर पाँच के लिए."

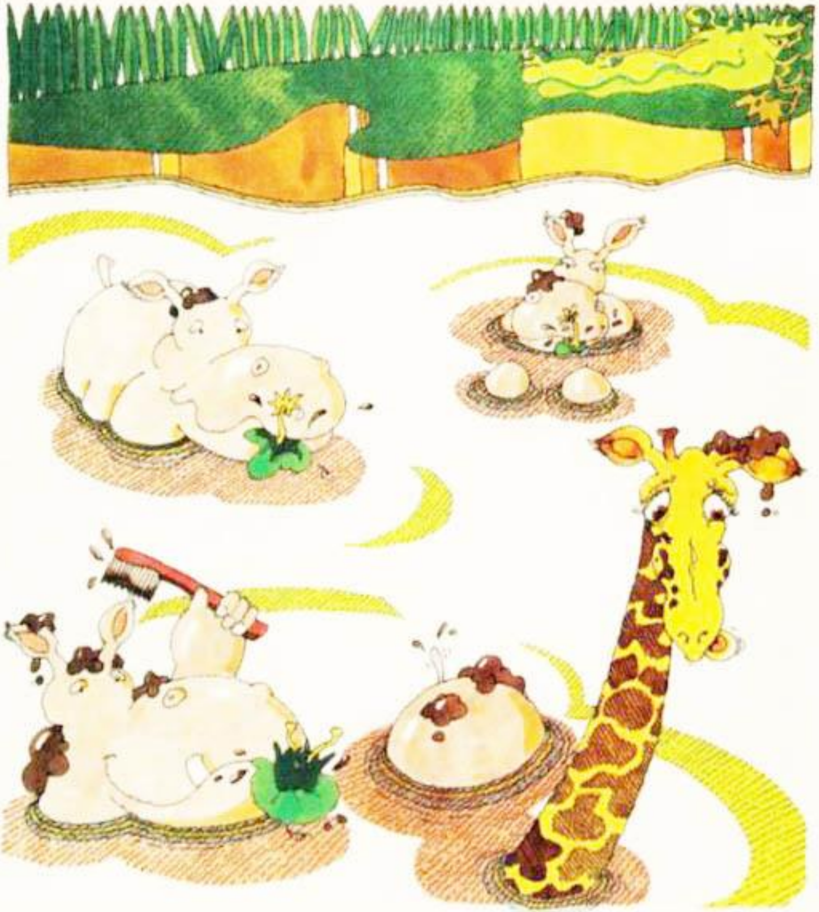

बेचारा जिराफ़!
अब वो सचमुच में फंस गया है
बड़ी हिप्पो पूंछ के साथ
गंदगी के ऊंचे ढेर में!

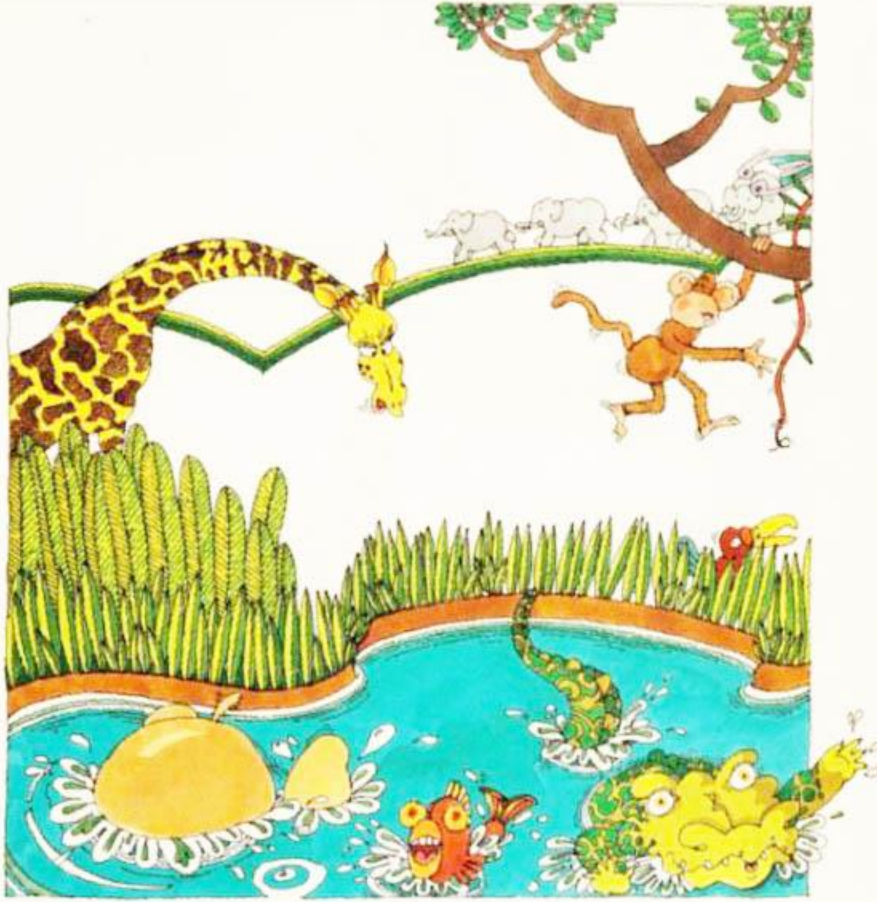

"ठीक है, सब लोग,
मेरी काफी इच्छाएं पूरी हुई हैं!
अब सब मेरे रास्ते से हट जाओ!
यही है मेरी आखिरी इच्छा नंबर छह!"

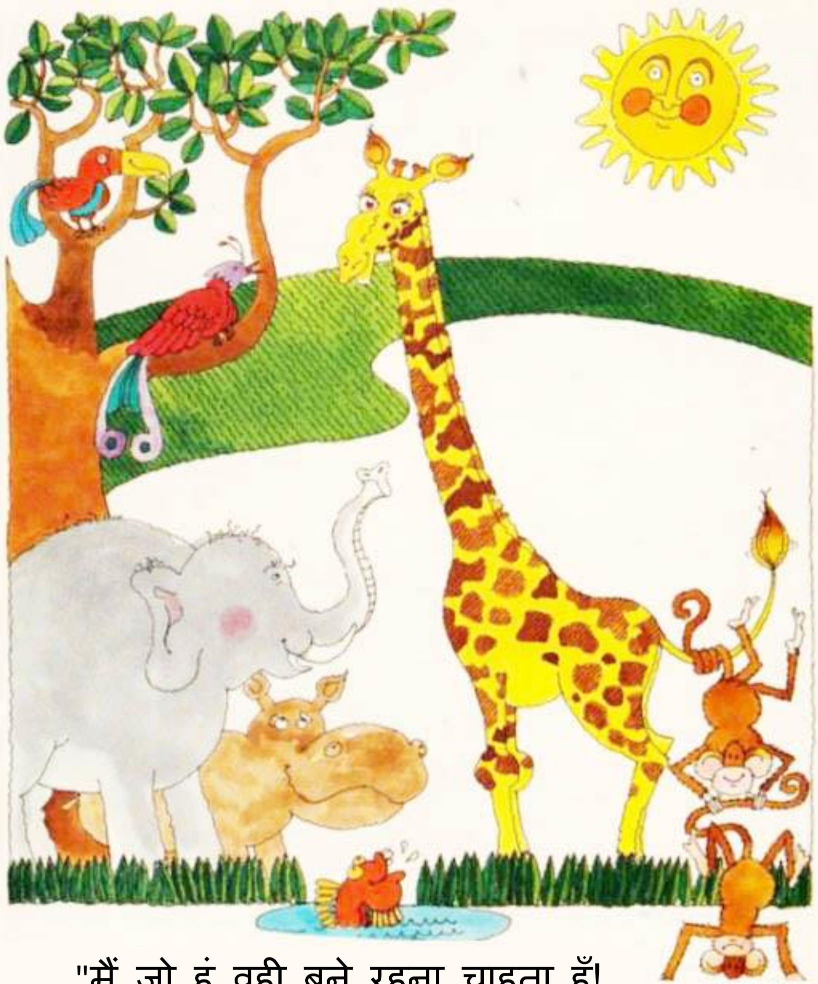

"मैं जो हूं वही बने रहना चाहता हूँ!
वही मेरे सबसे आखिरी इच्छा है.
दुनिया में सबसे बड़ी बात है
आप जो भी हों, वैसे ही बने रहें."

अंत